ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–49
दिनांक– मंगलवार, 25 जून, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.1 एवं 28.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.5 एवं दोपहर में 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 4.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(26–30 जून, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26–30 जून, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में तराई के क्षेत्र में मध्यम वर्षा हो सकती है। पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, मधुबनी, सीतामढ़ी एवं गोपालगंज, जिलों के अनेक स्थानों पर अगले 30 जून तक मध्यम वर्षा हो सकती है। अन्य जिलों में कहीं कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। समस्तीपुर, वैशाली तथा दरभंगा, जिलों के एक–दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं तथा सिचाई की उचित व्यवस्था है। ऐसे किसान भाई खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई कर सकते है। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के 48 घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन 1.0 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के 10–15 दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम 10ः एस0 सी0) दवा का 100 मि0 ली0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले।
- तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 50 से 60 क्विन्टल कम्पोस्ट, 20 किलो नेत्रजन, 20 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीज दर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दूरी 30 से0मी0 x 10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेंद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिंडी–1, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का 2 से 2.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे–कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा की बुवाई कर सकते है लेकिन किसम भाई अपने खेत में उचित नमी बनाकर ही बुवाई करे। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20–25 टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0X1 मी0 की दूरी पर लगायें। प्रति थाल 2–3 मी0 बीच पर बोयें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद, 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी प्राथमिकता से गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए 40ः छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधषाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थीमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 28.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)